



1981
18/1/1981
CENTRAL GOVERNMENT OF INDIA
THE GAZETTE OF INDIA

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १३]

No. 13]

नई दिल्ली, बृहपतिवार, जनवरी ८, १९८१/पौष १८, १९०२
NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 8, 1981/PAUSA 18, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे तेक यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate piling is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

बारिंग मंत्रालय
(टेक्सटाइल विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, ८ जनवरी, १९८१

का. आ. 14(अ).—केन्द्रीय सरकार, नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपकरणों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, १९८० (१९८० का ४२) की धारा ३३ की उपधारा (२) के खण्ड(क) के माध्यम से उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

१. संक्षिप्त नाम और आरम्भ.—(१) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपकरणों का अर्जन और अन्तरण) नियम, १९८० है।

(२) यं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

२. परिभाषा।—इन नियमों में, जब तक संवर्भ में अन्यथा वर्णकृत न हो,—

(क) 'अधिनियम' से नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपकरणों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, १९८० (१९८० का ४२) अभिप्रेत है।

(ख) उन सभी अन्य शब्दों और पदों के जो उन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु नेशनल कम्पनी लिमिटेड (उपकरणों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, १९८० (१९३९ का ४२) में पन्थापित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके उम्मीदियम में हैं।

३. सूचना के लिए समय-सीमा—किसी ऐसी सम्पत्ति का जो केन्द्रीय सरकार में इस अधिनियम के अधीन निहित हो गई है, प्रत्येक बंधकदार और ऐसी सम्पत्ति में या उसके संबंध में कोई भार धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाला प्रत्येक व्यक्ति ऐसी तारीख से जो धारा १८ के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, तीस दिन की अवधि के भीतर, ऐसे बंधक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित की सूचना, आयुक्त को देंगा,

परन्तु यदि आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा बंधकदार या व्यक्ति तीस दिन की उक्त अवधि के भीतर मूच्चना देने में पर्याप्त कारण से निवारित किया गया था तो वह उसके निलाग कारणों को लेखदाद करके, तीस दिन की और अवधि के भीतर किन्तु उसके पश्चात् नहीं, सूचना स्वीकार कर सकेगा।

४. मूच्चना की गति—(१) नियम ३ के अधीन आयुक्त को दी जाने वाली प्रत्येक मूच्चना आयुक्त को संबोधित लिखित रूप

में होगी आर उम्म निम्ननिम्नका विशिष्टिया होगी,
अर्थात्—

- (क) किसी ऐसी मंपत्ति के बंधकदार या उसमें अधिकार उसके मंबंध में कोई भार, भारणाधिकार या अन्य भारण करने वाले व्यक्ति का नाम, विवरण और पूरा पता;
- (ख) उम्म उपक्रम का नाम जिसके मंबंध में सूचना दी जाती है,
- (ग) बंधक, भार, भारणाधिकार या अन्य हित के अधीन शोध्य रकम (भारतीय करंसी में),
- (घ) ऐसी निलंबन की, यदि कोई हो, जिसके द्वारा बंधक, भार, भारणाधिकार या अन्य हित प्रतिभूत किए गया है, विशिष्टियां जो निलंबन की अनुप्रस्थापित प्रति द्वारा समर्थित हो;
- (ङ) ग्राप्त हो चुकी रकम की, यदि कोई हो, विशिष्टियां,
- (च) कोई अन्य संसंगत विशिष्ट ; और
- (छ) दावा किया गया अनुनीत।

(2) प्रत्यंक सूचना बंधकदार या भार, भारणाधिकार या अन्य हित भारण करने वाले व्यक्ति या उसके द्वारा सम्मक्तः प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्मक्तः हस्ताक्षरित और सत्यापित की जाएगी।

(3) सूचना सभी कार्यदिवसों में कार्यालय समय के दौरान कलकत्ता स्थित आष्टकत के कार्यालय में फाइल की जा सकेगी या रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा आष्टकत को भेजी जा सकेगी।

[फाइल नं. 29/7/80-जूट]

प्रम. के. सरकार, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th January, 1981

S.O. 14(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (a) of sub-section (2) of Section 33 of the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (42 of 1980), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) 'Act' means the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (42 of 1980).
- (b) all other words and expressions used in these rules and not defined but defined in the National Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (42 of 1980), shall have the meanings respectively assigned to them in that Act.

3. Time-limit for intimation.—Every mortgagee of any property which has vested under the Act in Central Government, and every person holding any charge, lien or other interest in, or in relation to, any such property, shall give an intimation of such mortgagee charge, lien other interest to the Commissioner within a period of thirty days from such date, as may be specified by the Central Government under section 18;

Provided that if the Commissioner is satisfied that such mortgagee or person was prevented by sufficient cause from giving the intimation within the said period of thirty days, he may accept the intimation within a further period of thirty days, after recording reasons therefor in writing, but not thereafter.

4. Manner of intimation.—(1) Every intimation to be given to the Commissioner under rule 3 shall be in writing addressed to the Commissioner, and shall contain the following particulars namely :—

- (a) name, description and full address of the mortgagee or the person holding charge, lien or other interest in, or in relation to, any such property;
- (b) name of the undertaking in respect of which the intimation is made;
- (c) amount due under the mortgage, charge, lien or other interest (in Indian currency);
- (d) particulars of the instrument, if any, by which the mortgage, charge, lien or other interest is secured, supported by an attested copy of the instrument;
- (e) amount, if any, already received with particulars;
- (f) any other relevant particulars; and
- (g) relief claimed.

(2) Every intimation shall be duly signed and verified by the mortgagee, or the person holding the charge, lien or other interest or a person duly authorised by him.

(3) An intimation may be filed in the Office of the Commissioner, at Calcutta, on all working days during office hours or may be sent to the Commissioner by registered post, with acknowledgement due.

[File No. 29/7/80-Jute]
S. K. SARKAR, Jt. Secy.